

**CERTIFICATE IN ANTI HUMAN TRAFFICKING
(CAHT)**

Term-End Examination

June, 2018

BLE-033 : REHABILITATION AND PREVENTION

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : The question paper is divided into three parts.

Part-A, Part-B and Part-C. Attempt any four questions from Part-A, each question carries 5 marks.

Attempt any four questions from Part-B, each question carries 10 marks. Attempt any two questions from

Part-C, each question carries 20 marks.

PART - A

Write short notes on any four of the following in about 150 words. Each question carries 5 marks.

1. Role of NGOs in rehabilitation of human trafficking victims 4x5=20
2. Role of parents and guardians in combating human trafficking
3. Role of law enforcement officers in the prevention of human trafficking
4. Role of media in human trafficking
5. Survivor protection
6. Status of social security in India

PART - B

Attempt **any four** of the following in about 400 words. Each question carries 10 marks. **4x10=40**

7. Discuss the role of communication skill in combating human trafficking.
8. Discuss the role of Panchayati Raj Institutions in preventing human trafficking.
9. Analyse the various prevention strategies in human trafficking.
10. Analyse the various causes of re-trafficking.
11. Write a note on ethical standards for reporting on human trafficking issues.
12. Discuss the various indicators of rehabilitation of human trafficking victims.

PART - C

Attempt **any two** of the following questions in about 1200 words. Each question carries 20 marks. **2x20=40**

13. What constitutes violation of Human Rights ? Elicit your views in the backdrop of social security and development in India.
14. Discuss prevention as a simple strategy in anti human trafficking process. Examine the challenges in the prevention of human trafficking.
15. Analyse the national model in prevention and rehabilitation of human trafficking.
16. What do you understand by information and communication driven human trafficking ? Critically analyse the legal provisions available in India to deal with this problem.

अवैध मानव व्यापार रोधी कार्यक्रम में सर्टिफिकेट
(सी.ए.एच.टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2018

बी.एल.ई.-033 : पुनर्वास तथा निवारण

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभाजित है। भाग-क, भाग-ख और भाग-ग। भाग-क से कोई चार प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक हैं। भाग-ख में से कोई चार प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक हैं। भाग-ग से कोई दो प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं।

भाग - क

निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर (प्रत्येक पर) लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक हैं। 4x5=20

1. अवैध मानव व्यापार के पीड़ितों के पुनर्वास में गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका
2. अवैध मानव व्यापार को नियंत्रित करने में अभिभावकों और संरक्षकों की भूमिका
3. अवैध मानव व्यापार की रोकथाम में विधि-प्रवर्तन अधिकारियों की भूमिका
4. अवैध मानव व्यापार में मीडिया की भूमिका
5. उत्तरजीवी का संरक्षण
6. भारत में सामाजिक सुरक्षा की स्थिति

भाग - ख

निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** का उत्तर 400 शब्दों में दीजिए।
प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक हैं। 4x10=40

7. अवैध मानव व्यापार को नियंत्रित करने में संचार-कौशलों की भूमिका की चर्चा कीजिए।
8. अवैध मानव व्यापार की रोकथाम में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका की चर्चा कीजिए।
9. अवैध मानव व्यापार की विभिन्न निवारण कार्यनीतियों का विश्लेषण कीजिए।
10. पुनःअवैध मानव व्यापार के विभिन्न कारणों का विश्लेषण कीजिए।
11. अवैध मानव व्यापार संबंधी मुद्दों पर सूचना (रिपोर्टिंग) के लिए नैतिक मानदंडों पर टिप्पणी लिखिए।
12. अवैध मानव व्यापार पीड़ितों के पुनर्वास के विभिन्न सूचकों की चर्चा कीजिए।

भाग - ग

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** के उत्तर (प्रत्येक का) लगभग 1200 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं। 2x20=40

13. मानव अधिकारों के उल्लंघन के कारण बताइए। भारत में सामाजिक सुरक्षा और विकास के संदर्भ में अपने विचार बताइए।
14. अवैध मानव व्यापार रोधी प्रक्रिया में सरल कार्यनीति के रूप में निवारण की चर्चा कीजिए। अवैध मानव व्यापार निवारण की चुनौतियों का पता लगाइए।
15. अवैध मानव व्यापार के निवारण और पुनर्वास में राष्ट्रीय मॉडल का विश्लेषण कीजिए।
16. सूचना और प्रौद्योगिकी संचालित अवैध मानव व्यापार से आप क्या समझते हैं? भारत में इस समस्या से निपटने के लिए उपलब्ध कानूनी उपबंधों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।